UNNAT BHARAT ABHIYAN

Regional Coordinating Institute, Indian Institute of Technology Roorkee

(News Clipping)

हिन्दुस्तान

28-11-2020

फसल प्रबंधन के बारे में दी जानकारी

रुड़की | हमारे संवाददाता

आइआईटी रुड़की के जल संसाधन एवं प्रबन्धन विभाग में संचालित ग्रामीण कृषि-मौसम सेवा परियोजना और क्षेत्रीय समन्वय संस्थान, उन्नत भारत अभियान, के संयुक्त तत्त्वाधान में रबी फसलों के प्रबन्धन में कृषि-मौसम सेवाओं की भूमिका विषय पर किसान जागरूकता वेबिनार हुआ। मुख्य वक्ता पन्त नगर कृषि विश्वविद्यालय के कीट वैज्ञानिक प्रो.एके पांडेय ने कहा कि जाड़े के महीने में कई कीट ऐसे हैं जिनकी सक्रियता ठंड के कारण काफी धीमी पड़ जाती है।

ऐसे में किसानों को कीट विशेषज्ञ से परामर्श किये बिना अनावश्यक रूप से कीटनाशकों के छिड़काव से बचना चाहिए। इससे उत्पादन लागत में कमी आएगी व किसानों को आर्थिक लाभ

वेबिनार

- फसल प्रबन्धन में कृषि-मौसम सेवाओं की भूमिका पर वेबिनार
- आयोजन में विशेषज्ञों ने दी महत्वपूर्ण जानकारी

होगा। वहीं दूसरी तरफ हमारे पर्यावरण व स्वास्थ्य को भी फायदा पहुंचेगा। कहा कि कोहरे आदि के कारण मौसम में आर्द्रता बढ़ने तथा बदली की परिस्थितियों में गेहूं, सब्जियों व सरसों इत्यादि में माहो कीट का सर्वाधिक प्रकोप देखने को मिलता है। ऐसे में रासायनिक कीटनाशकों के स्थान पर नीम का तेल प्रयोग कर सकते हैं। मुख्यअतिथि भारत मौसम विभाग, नई दिल्ली के अतिरिक्त महानिदेशक डॉ.आनन्द शर्मा ने कृषि मौसम सलाहकारी सेवाओं की प्रगति विषय पर व्याख्यान दिया। डॉ शर्मा ने बताया कि मौसम विभाग रिमोट सेंसिंग के प्रयोग द्वारा मृदा में नमी की मात्रा तथा एनडीवीआई तकनीक का उपयोग करके एग्रोमेट एडवाइजरी बुलेटिन्स की गुणवत्ता बढ़ाने पर काम कर रहा है। जल संसाधन विकास एवं प्रबन्धन विभागाध्यक्ष प्रो. एमएल कंसल ने कहा कि इस समय रबी फसलों की बुवाई का समय चल रहा है। ऐसे में किसानों के लिए मौसम व फसल सलाह अत्यंत आवश्यक हो जाती है। आईआईटी रुड़की के क्षेत्रीय समन्वयक प्रो. आशीष पांडेय ने कृषि-मौसम प्रक्षेत्र इकाई रुड़की द्वारा किसानों को उपलब्ध कराई जा रही जानकारियों के बारे में बताया। कृषि-मौसम सेवा परियोजना के तकनीकी अधिकारी डॉ. अरविन्द कुमार ने भी जानकारी दी। वेबिनार में प्रो. आरडी सिंह आदि मौजूद थे।